ट्रेनें तो चली जाएंगी, यात्री कैसे पहुंचेंगे छिवकी स्टेशन

अमर उजाला ब्यूरो

15 नवंबर से जंक्शन की चार ट्रेनें छिवकी से मुड़ जाएंगी **शहर से छिवकी तक पहुंचने का कोई इंतजाम नहीं**

इलाहाबाद। जंक्शन से महानगरी एक्सप्रेस, क्षिप्रा एक्सप्रेस, चंबल एक्सप्रेस और मुंबई जनता एक्सप्रेस ट्रेनें पकड़ने वाले यात्री नवंबर से भारी मुसीबत झेलने के लिए तैयार रहें। रेलवे रिजर्वेशन सिस्टम में 17 नवंबर से यह ट्रेनें इलाहाबाद जंक्शन से दिखना बंद हो गई हैं। रेलवे प्रशासन ने अपनी बला टालने के लिए चारों ट्रेनों को छिवकी स्टेशन से चलाने की तैयारी पूरी कर ली है, लेकिन रेलवे के भरोसे यात्रा करने वाले मुसाफिरों के ट्रेन पकड़ने की सुविधा और सुरक्षा को ताक पर रख दिया है। छिवकी स्टेशन की वर्तमान स्थिति जैसी है, उसमें थोड़े-बहुत सुधार के बाद भी रात को उतरने वाले यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही रहेगी। प्लेटफार्म से लेकर मुख्य सड़क तक यात्री कहां लुट जाएंगे, कोई भरोसा नहीं है। यात्री छिवकी कैसे पहुंचेंगे और ट्रेन से उतरे तो छिवकी से कैसे आएंगे, इसे लेकर भी बेफिक्री है।

महानगरी, क्षिप्रा का विकल्प नहीं

छिवकी से डाइवर्ट की जा रही ट्रेनों में वाराणसी-मुंबई महानगरी एक्सप्रेस और हावड़ा-इंदौर क्षिप्रा एक्सप्रेस का विकल्प नहीं है। महानगरी एक्सप्रेस पकड़ने के लिए पड़ाासी जिलों से भी लोग आते हैं। इंदौर जाने के लिए जंक्शन से क्षिप्रा इकलौती ट्रेन है। इन ट्रेनों के यात्री छिवकी कैसे पहुंचेंगे, रेलवे प्रशासन को इसकी कोई फिक्र नहीं है। महानगरी एक्सप्रेस मुंबई से वापसी में आधी रात 12.05 बजे छिवकी पहुंचेगी। यह ऐसा वक्त है जबकि छिवकी स्टेशन पर सिवाय अराजक तत्वों के कोई नहीं दिखता।

मुख्य सड़क से पहुंचना ही मुश्किल

छिवकी स्टेशन इलाहाबाद-मिर्जापुर मुख्यमार्ग से करीब एक किमी. अंदर है लेकिन मुख्य मार्ग पर अभी ऐसा कोई दिशा सूचक चिह्न नहीं है जिससे राहगीर स्टेशन के मोड़ की पहचान कर

छिवकी स्टेशन पर शुरु कराया गया काम और बाहर निकलने का रास्ता न होने के कारण चहारदिवारी पार करते यात्री।

सकें। टिकट काउंटर तक पहुंचने के लिए एक रेलवे क्रासिंग भी पार करनी पड़ती है। दिन में भी इस सड़क पर ऑटो नहीं आते। रात के वक्त अक्सर छिनैती होती है।

प्लेटफार्म तक पहुंचना भी दुरूह

सड़क से स्टेशन बिल्डिंग तक पहुंच गए तो आगे का रास्ता और भी कठिन है। प्लेटफार्म पर पहुंचाने वाले फुटओवर ब्रिज के पहले फिर रेलवे क्रासिंग पार करनी पड़ती है। एफओबी पर चढ़ने की अपेक्षा लोग भूतल से सटे एक नंबर प्लेटफार्म तक जाने के लिए दिल्ली-हावड़ा मुख्य रेलमार्ग क्रास करने लगते हैं।

एफओबी पर रात में रहता है अंधेरा

7.5 फिट चौड़े फुटओवर ब्रिज पर अब तक प्रकाश के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

पुराने प्लेटफार्म पर हैं गिनती के हाईलोजन

छिवकी स्टेशन का पुराना प्लेटफार्म एक नंबर है। इस पर अभी यात्रियों के बैठने तक के लिए ढंग के इंतजाम नहीं हैं। धूप या बारिश में यात्री फंसे तो न खुद बच सकेंगे और न ही सामान बचा सकेंगे। प्रकाश के भी इंतजाम ठीक नहीं हैं। नए बने दो और तीन नंबर प्लेटफार्म पर प्रकाश के इंतजाम तो हैं, लेकिन पेयजल के लिए 600 मीटर लंबे इस प्लेटफार्म पर सिर्फ 12 टोटियां हैं, वह भी बीच में।

तीन प्लेटफार्मों पर सिर्फ एक शौचालय

छिवकी के मौजूदा तीन प्लेटफार्मों में सिर्फ एक शौचालय है। इसे दो-तीन नंबर प्लेटफार्म के नैनी क्षोर पर बनाया गया है।

दिक्कतें और भी

शहर से छिवकी स्टेशन पहुंचना आसमान से तारे तोड़ने के बराबर है। सिविल लाइंस बस अड्डा या रेलवे स्टेशन से सीधे कोई साधन नहीं मिलता। रामबाग से करछना जाने वाले ऑटो मिलते हैं तो मुख्य सड़क पर ही उतार देते हैं।

यात्री सुविधाओं के नाम पर घटिया काम

यात्री सुविधाओं के नाम रेलवे प्रशासन ने छिवकी स्टेशन पर कुछ कार्य शुरू कराएं हैं लेकिन इनकी गुणवत्ता ऐसी है जो महाकुंभ मेले में कराए गए कार्यों से भी घटिया है। एक नंबर प्लेटफार्म पर यात्रियों के बैठने के लिए चबूतरे का निर्माण कराया जा रहा है। इस्तेमाल की जा रही निर्माण सामग्री गुणवत्ता को बयां करने के लिए काफी है।

नवंबर में ट्रेनें शुरू होने के पहले बिजली, पानी का इंतजाम कर दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाएगी। मुख्य सड़क से स्टेशन तक सड़क के निर्माण और मार्ग प्रकाश के लिए डीएम और कमिश्नर को पत्र लिखा गया है। **-हरींद्र राव, डीआरएम, इलाहाबाद मंडल**

जंक्शन की ट्रेनों के डाइवर्ट पर सिविल लाइंस बस अड्डे से छिवकी तक ऑटो चलवाई जाएंगी। रेलवे ट्रेनों की समय-सारिणी उपलब्ध कराए तो उसके हिसाब से ऑटो की व्यवस्था की जाएगी। **-विनोद चंद्र अध्यक्ष, इलाहाबाद टेंपो-टैक्सी यूनियन**